भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 04–02–2021

फसल अवशेष प्रबंधन प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला

दि. 04–02–2021 को फसल अवशेष प्रबंधन (सी.आर.एम.) प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश में सी.आर.एम. प्रोजेक्ट से जुड़े स.व.प. कृ.एवं प्रौ.विवि. मेरठ, च.शे.आ.कृ.एवं प्रौ.विवि. कानपुर, आ.न.दे. कृ.एवं प्रौ.विवि. अयोध्या के 23 कृषि विज्ञान केन्द्रों ने प्रोजेक्ट की प्रगति रिपोर्ट 2020–21, बजट की स्थिति एवं आगे की कार्ययोजना 2021–22 का प्रस्तुतिकरण किया गया। इसकी जानकारी डा. अतर सिंह–निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा दी गई।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्ष 2020–21 में फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत प्रदर्शनों की संख्या, मेले, गोष्ठी, जागरुकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मशीनों के प्रयोग, किसानों की सफलता की कहानी, प्रचार सामग्री, एवं बजट की जानकारी दी गई। केवीके द्वारा फसल अवशेष प्रबन्ध में जागरुकता के लिये वाल पेंटिंग्स, जिला स्तरीय जागरुकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम इत्यादि कराये गये, डीडी किसान चैनल द्वारा कवरेज की जानकारी दो। ई.टी.वी. के माध्यम से भी टी.वी. कवरेज की गई। केवीके द्वारा प्रदर्शनों के साथ–साथ जिलास्तरीय जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन के लिये जागरुक किया गया। आई.ई.सी. गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। कार्यशाला में केवीके मुरादाबाद प्रथम एवं केवीके बदायूं प्रथम में पराली जलने की घटनायें बहुत कम होने के कारण वहां सी.आर.एम. प्रोजेक्ट बन्द करने का निर्णय भी लिया गया।

भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने बताया कि किस प्रकार हैप्पो सीडर, सुपर सीडर, मल्चर, बेलर, चॉपर इत्यादी मशीनों के माध्यम से फसल अवशेषों का प्रबंधन करके जमीन की उत्पादक क्षमता बढ़ाई जा सकती है तथा वायु प्रदूषण में कमी भी की जा सकती है। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों से कहा कि वे नये फार्मेट के अनुसार डाटा तैयार करें। वेबिनार की संख्या, प्रतिभागी किसानों की संख्या, एम किसान, फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सैप आदि माध्यम से दी गई जानकारी भी अपनी रिपोर्ट में सम्मिलित करें। प्रोजेक्ट अन्तर्गत जो नई मशीनें केवीके में आना है और नहीं आ पा रहीं हैं तो उसके लिये केवीके स्वयं पहल करें। आपका पहला कार्य अपने लक्ष्य पूर्ण करना होना चाहिए। सोशल मीडिया पर एक्टिविटीस शेयर करते रहें। यदि कोई मेला आयोजित करें तो उसकी जानकारी और आमंत्रण अटारी कानपुर एवं अटारी लुधियाना को अवश्य दें।

इस कार्यक्रम में भाकृअनुप–अटारी लुधियाना के प्रधान वैज्ञानिक डा. अरविन्द कुमार भी जुड़े और उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों को सुझाव दिये एवं समस्याआएं सुन कर उनका समाधान भी बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने की, संचालन प्रधान वैज्ञानिक डा. साधना पाण्डेय ने किया, डा. अरविन्द कुमार–प्रधान वैज्ञानिक भाकृअनुप–अटारी लुधियाना, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने निदेशक प्रसार भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI

KVK MATHURA-...
ICAR-ATARI Kan...
Permod Rathi
Arvind Kumar
Agra, Dr. R.S.Ch...
KVK Saharanpu...
Dr. L. C. Verma, ...
KVK- Chandauli
Deepak Mishra
KVK-IVRI Bareilly
Dr. Sadhna Pan...
Dr. Narendra Si...
KVK Barabanki...
NCTripathi
Siddhartha War...
Ravindra kumar...
KVK Bahraich-I
KVK Pilibhit
KVK Lakhimpur...
KVK Etah Dr. M...
SANJAY SINGH...
Dr.Manoj Singh
Yashovardha...
Dr. Ramprakash
Jitendra Singh